<u>नियुक्ति हेतु विज्ञापन</u>

एनसीवीबीडीसी (NCVBDC) के बारे में:

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (NCVBDC), जो स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (Dte.GHS), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW), भारत सरकार (GoI) के अंतर्गत कार्य करता है, एक समेकित कार्यक्रम राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NVBDCP) का संचालन करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वेक्टर जनित रोगों जैसे – मलेरिया, जापानी इंसेफेलाइटिस, डेंगू, चिकनगुनिया, कालाजार और लिम्फेटिक फाइलेरियासिस – की रोकथाम और नियंत्रण है। इनमें से तीन रोग (मलेरिया, लिम्फेटिक फाइलेरियासिस और कालाजार) को उन्मूलन के लक्ष्य के रूप में निर्धारित किया गया है।

ग्लोबल फंड टू फाइट एड्स, ट्यूबरकुलोसिस और मलेरिया (GFATM) के अनुदान चक्र 7 (2024-27) के अंतर्गत समर्थित 'तीव्रित मलेरिया उन्मूलन परियोजना-3 (IMEP-3) के तहत राष्ट्रीय स्तर पर गैर-सरकारी संगठन-एसआर का चयन एचआर (HR) और एसबीसीसी (SBCC) गतिविधियों के लिए बजटित गतिविधि है, जिसके लिए पीसीआई इंडिया को एनजीओ-एसआर (NGO-SR) के रूप में चयनित किया गया है।

(i) राष्ट्रीय परियोजना प्रबंधन इकाई (NPMU) में तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम होगी, जो मलेरिया नियंत्रण, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण, निगरानी और मूल्यांकन (M&E), आईएचआईपी (IHIP) के प्रभावी अनुश्रवण एवं सुचारू क्रियान्वयन, SBCC, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, तथा वित्त के क्षेत्रों में तकनीकी सहयोग करेगी।

(ii) आईईसी/बीसीसी/एसबीसीसी (IEC/BCC/SBCC) गतिविधियों को सुदृढ़ करना और IEC/BCC अभियान - समुदाय में जागरूकता, सहभागिता और भागीदारी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। एनजीओ-एसआर राज्यों की स्थानीय आवश्यकताओं और नवाचारों के अनुरूप राज्य आधारित रणनीतियाँ और योजनाएँ विकसित करेगा, ताकि विभिन्न समूहों तक सबसे उपयुक्त माध्यमों, सामग्रियों और गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय संस्कृति के अनुरूप संदेश पहुँचा सके। नवीनतम प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए मल्टीमीडिया आधारित दृष्टिकोण अपनाया जाएगा ताकि लक्षित आबादी तक, जिसमें वर्चुअल प्लेटफ़ॉर्म भी शामिल हैं, मलेरिया उन्मूलन और उसकी स्थायित्व से संबंधित संदेश प्रभावी रूप से पहुँचाए जा सकें। नवाचारी हस्तक्षेपों के अलावा, सभी संबंधित हितधारकों के साथ वकालत (advocacy) और जन अभियानों (mass campaigns) का विकास भी किया जाएगा ताकि मलेरिया की रोकथाम, नियंत्रण और उन्मूलन के विभिन्न पहलुओं को संबोधित किया जा सके।

<u>पीसीआई इंडिया (PCI India) का परिचय:</u>

पीसीआई इंडिया, भारत में एक पंजीकृत संस्था है जो पिछले 26 वर्षों से भारत में कार्यरत है। हम समुदायों के जीवन को बड़े पैमाने पर बदलने के लिए जटिल विकासात्मक चुनौतियों के समाधान हेतु प्रभावी हस्तक्षेप लागू करने में प्रयासरत हैं। पिछले वर्ष, पीसीआई इंडिया ने 202 जिलों के 15 राज्यों में 1.7 करोड़ लोगों तक पहुंच बनाई है।

विज़न -- सभी के लिए खुशहाल, स्वस्थ, सुरक्षित और सतत संसार

मिशन – हम सामुदायिक वास्तविकताओं के मूल में गहराई से जुड़े हैं, और जटिल विकास समस्याओं के सतत समाधान को सह-निर्मित और विस्तार करते हैं

पद का विवरण

पदनाम: राष्ट्रीय सलाहकार – सूचना प्रौद्योगिकी

पदों की संख्या: 01

स्थान – एनसीवीबीडीसी (NCVBDC), दिल्ली

उद्देश्य:

विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय/राज्य/जिला/उप-जिला स्तर पर GFATM समर्थित *इंटेंसिफाइड मलेरिया एलीमिनेशन प्रोजेक्ट (IMEP-3)* के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (NCVBDC) का समर्थन करना। यह पद, जो NCVBDC में होगा, साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने में विभिन्न स्तरों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, देश के सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में मलेरिया उन्मूलन को सुगम बनाने एवं उसे सतत बनाए रखने के लिए प्रभावी एवं दक्ष IEC/BCC रणनीतियाँ और कार्यक्रम में कुशलता और प्रभावशीलता लाने में योगदान देगा, ताकि योजना बनाने और उसके कार्यान्वयन के बीच अंतर को कम किया जा सके।

कार्य दायित्व:

- कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु संबंधित विभागों (केन्द्र, राज्य/केंद्रशासित प्रदेश तथा अन्य हितधारक) से कार्यात्मक एवं तकनीकी आवश्यकताओं को समझना तथा गुणवत्तापूर्ण और मानक अवधारणा दस्तावेज, डिज़ाइन दस्तावेज, प्रक्रिया प्रवाह दस्तावेज, कार्यान्वयन रूपरेखा, दिशानिर्देश, प्रोटोकॉल एवं उपयोगकर्ता पुस्तिकाओं का निर्माण करना।
- सरकार/मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समन्वय कर विश्लेषणात्मक रूपरेखा को मौजूदा IHIP-मलेरिया, HMIS के साथ परिचालन एवं एकीकृत करना।
- IHIP-मलेरिया, HMIS डेटा प्रणालियों तथा अन्य मानक स्रोतों के एकीकरण और सत्यापन हेतु पद्धति का विकास, तथा इसके परिचालन हेतु आवश्यक आईटी प्लेटफॉर्म का निर्माण।
- एप्लीकेशन का समस्या निवारण, परीक्षण, अस्पष्ट क्षेत्रों की पहचान करना तथा मौजूदा प्रणाली के सुधार के लिए विशेषज्ञ सहायता प्रदान करना।
- राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को कार्यान्वयन में सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करना तथा आईटी से संबंधित सभी TORs में क्षमता निर्माण/प्रशिक्षण में सहायता करना।
- राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों तथा अन्य संबंधित हितधारकों के साथ कार्यान्वयन कवरेज एवं अंतराल पर नियमित अनुवर्तन, बाधाओं/चुनौतियों पर संक्षिप्त विवरण तैयार करना, तकनीकी प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करने में सहायता तथा संसाधन सामग्री का विकास करना।
- अन्य हितधारकों की श्रेष्ठ प्रथाओं को ध्यान में रखते हुए निगरानी एवं मूल्यांकन ढांचे के एकीकरण हेतु वेब-आधारित कार्यक्रम तथा उपयोगकर्ता दिशानिर्देश, प्रक्रियाओं एवं उपकरणों की समीक्षा एवं पुनर्रचना।
- आवश्यकता अनुसार फील्ड विज़िट करना।

<u>योग्यता एवं अनुभव</u>

पद	योग्यता एवं अनुभव	**मानदेय (प्रति माह)**

राष्ट्रीय सलाहकार-आईटी (National Consultant-IT)	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से B.Tech (सूचना प्रौद्योगिकी/कंप्यूटर विज्ञान/बायो-इन्फॉर्मेटिक्स/इलेक्ट्रॉनिक्स) / BCA तथा 5 वर्ष का अनुभव या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से M.Tech (सूचना प्रौद्योगिकी/कंप्यूटर विज्ञान/बायो-इन्फॉर्मेटिक्स/इलेक्ट्रॉनिक्स) / MCA तथा 3 वर्ष का अनुभव	₹ 1,25,000 - ₹ 1,50,000

कौशल:

- MS Office में दक्षता, एप्लिकेशन परीक्षण, मोबाइल प्रौद्योगिकियों का बुनियादी ज्ञान, स्वास्थ्य में ICT, डेटा विश्लेषण, डेटा माइनिंग एवं रिपोर्टिंग।
- डेटा संग्रह, विश्लेषण एवं रिपोर्ट निर्माण हेतु उपकरणों और रणनीतियों के डिज़ाइन का अनुभव।
- उत्कृष्ट संचार एवं प्रस्तुतीकरण कौशल, विश्लेषणात्मक एवं अंतर-व्यक्तिगत क्षमताएँ, अंग्रेजी में उत्कृष्ट मौखिक एवं लिखित संचार कौशल। हिंदी का कार्य ज्ञान भी वांछनीय है।
- बहु-विषयक टीम परिवेश में कार्य करने की क्षमता।
  तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों एवं जिलों की यात्रा करने की तत्परता तथा समय-सीमा के भीतर विभिन्न असाइनमेंट्स पर एक साथ कार्य करने की क्षमता।
- केन्द्र/राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के साथ कार्य करने का अनुभव रखने वाले अभ्यर्थी को वरीयता दी जाएगी।

भाषा कौशल का उपयोग:
आवश्यक: अंग्रेज़ी भाषा में विशेषज्ञ स्तर का ज्ञान।

नियुक्ति का स्वरूप:
नियुक्ति प्रारंभ में एक वर्ष के अनुबंध के आधार पर की जाएगी, जिसके पश्चात् कार्य निष्पादन मूल्यांकन (कार्य प्रदर्शन, व्यक्तिगत गुण, कार्यात्मक दक्षता आदि के आकलन) के आधार पर इसे वार्षिक रूप से (या निर्धारित समयावधि तक) बढ़ाया जा सकता है।

रिपोर्टिंग:
रिपोर्टिंग GFATM के नोडल अधिकारी को होगी, जिसके तहत NCVBDC के निदेशक की समग्र निगरानी में कार्य किया जाएगा।

आयु सीमा: अधिकतम 40 वर्ष और व्यापक रूप से यात्रा के लिए तैयार होना चाहिए।

समाप्ति: कोई भी पक्ष लिखित रूप में एक माह का नोटिस देकर अनुबंध समाप्त कर सकता है।

चयन: चयन और नियुक्ति विज्ञापन के माध्यम से की जाएगी, उसके बाद शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के लिए लिखित परीक्षा/साक्षात्कार होगा।

आवेदन की प्रक्रिया:

इच्छुक उम्मीदवार निम्नलिखित लिंक का उपयोग करके पद के लिए आवेदन कर सकते हैं: एनसीवीबीडीसी (NCVBDC), एनसीडीसी (NCDC),आईसीसीएम (ICCM), पीसीआई इंडिया (PCI India), डेवनेट (DevNet) & लिंकडीन (Linkedin). आवेदन करने की अंतिम तिथि 12 जून 2026 है
https://www.pciglobal.in/jobs/national-consultant-it/

पीसीआई इंडिया कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार के अनुचित व्यवहार को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें यौन उत्पीड़न, शोषण, दुरुपयोग, नैतिकता का अभाव या वित्तीय कदाचार शामिल हैं।